ऋग्वेद यजुर्वेद

ओ३म्

ऋषिकुलम्

गुरुकुल गुरुग्राम

स्थापना 1 जुलाई 2018

Website:- www.rishikulamgurugram.in
Email:- rishikulamgurugram@gmail.com
सम्पर्क सूत्र - 9466785422, 9540084743
बसई इंक्लेव एक्सटेसंन, सैक्टर 37C, नजदीक रामा गार्डन, गुरुग्राम हरियाणा 122001

सामवेद अथर्ववेद

ओ३म्

गायत्री मंत्र

ओ३म् भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुवरेण्यं भर्गो देवस्य धीमही। धियो यो न प्रचोद्यात्।।

उद्बोधन

प्रत्येक व्यक्ति की आशाओं, आकांक्षाओं, उमंगों और सुख का संसार उसकी सन्तान होती है। वही व्यक्ति के सभी क्रियाकलापों का केन्द्र होती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति अपनी संतान के सुख में सुखी और दुःख में दुःखी होता है। सन्तान की उन्नति में अपनी उन्नति मानता है। अत एव अहर्निश अपने पुत्र को हर क्षेत्र में अपने से आगे देखना चाहता है। प्रत्येक पिता की धन सम्पत्ति, कार–कोठी, अन्य सुख साधन उसके अपने पुत्र की योग्यता, गुणवत्ता, कुलीनता और पितृभक्ति पर सहर्ष न्यौछावर हैं।

अतः प्रत्येक अभिभावक अपने पुत्र को उपरोक्त गुणों की प्राप्ति के लिए ऐसी शिक्षा संस्था को समर्पित करना चाहता है जहाँ उसे अपनी आशा आकांक्षा उमंग पूरी होती दिखाई दे, जहाँ प्रविष्ट कराके वह अपने पुत्र के बारे में निश्चिन्त हो सके। जो शिक्षा संस्था उसके प्राण प्यारे पुत्र को आज इस आर्थिक युग में, ज्ञान विज्ञान के युग में प्रबल वेग से बढ़ते प्रदूषित वातावरण से बचा कर सभी प्रकार की आधुनिक शिक्षा के साथ उसे सुसंस्कार सम्पन्न कर सके जहाँ से शिक्षित एवं दीक्षित होकर उसका पुत्र स्वाभिमान से सिर ऊंचा करके अपने अभिलषित कार्यक्षेत्र में बढ़–चढ़कर भाग ले सके।

अतः एव आप अभिभावकों की इस अभिलाषा की पूर्ति के लिए आपके गुरुकुल में नई शिक्षा नीति के तहत आधुनिक एवं परम्परागत संस्कृत एवं संस्कृति में **हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड** का बाहरवीं तक, उपरान्त B.A. शास्त्री एवं M.A. आचार्य **महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक** का पाठ्यक्रम अपनाया गया है जिससे हरियाणा से बाहर के अन्य प्रान्तों के छात्रों को भी किसी प्रकार की असुविधा न हो। छात्र यहाँ प्रविष्ट होकर हर आधुनिकतम उच्च शिक्षा के साथ–साथ प्राचीन सुसंस्कार सम्पन्न शिक्षा भी प्राप्त करें जहाँ पितृभक्ति, सदाचार, परोपकार तथा राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्व जैसे गुणों का आधान भी उनमें हो सके। सभी विषयों में पठन–पाठन की उत्तम व्यवस्था के साथ–साथ आत्मीयता पूर्ण वातावरण गुरुकुल में उपलब्ध कराया जा रहा है।

आपको संस्था में आकर छात्रों के पठन–पाठन और आचार व्यवहार में कुशलता स्वच्छता और शालीनता प्रतीत हो ऐसा हमारा प्रयास है।

स्थापना एवं संस्थापक

इस संस्था की स्थापना सन् 2018 में की गई थी। ऋषिकुल गुरुकुल विद्यापीठ की आधारशिला डॉ अमित कुमार के कर कमलों द्वारा रखी गई। उन्होंने आचार्य के रूप में इसके संचालन एवं निर्माण का गुरुतर भार सम्पूर्ण रूप से अपने कन्धों पर लिया।

उनके त्याग, तप, कर्मठता एवं सच्ची लगन के सहारे यह महाविद्यालय दिन दुगनी और रात चौगुनी उन्नति करता गया इस संस्था ने शास्त्री, ज्योतिषी, वास्तुशास्त्री, आचार्य एवं भारतीय सेना में धर्मगुरु आदि अनेकों सम्मानित पदों पर कार्यरत उच्चकोटि के नैतिक मुल्यों वाले सैंकड़ों देश निर्माता प्रदान किये हैं। जो सारे क्षेत्र में राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। यहाँ कुश्ती का अखाड़ा भी चलता रहा है जिसने देश के राष्ट्रिय स्तर के पहलवान तैयार किये जाते हैं।

आज भी विद्यालय अमर बलिदानी स्वामी श्रद्धानन्द और स्वामी ओमानन्द सरस्वती की भावनाओं के अनुसार हिन्दी, संस्कृत एवं वैदिक धर्म की सेवा में संलग्न है। साथ ही आधुनिक शिक्षा भी प्रदान की जाती है।

उद्देश्य

गुरुकुल की शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य शहरों के दूषित वातावरण से परे प्रकृति की नैसर्गिक गोद में बैठकर सुकुमार मति विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना, स्वास्थ्य एवं चरित्र निर्माण, सामाजिक कुशलता का विकास, सांस्कृतिक संरक्षण प्राप्ति, सादा जीवन में पूर्णता लाना, ज्ञान का दीप जलाकर अज्ञानता के अन्धकार को मिटाना, उन्हें समाज, सभ्यता एवं संस्कृति के प्रति जागरूक करना, उनकी सकारात्मक मनोवृत्ति को बढावा देना, जीवन की प्रत्येक सफलता के लिये उनको सदैव तत्पर एवं सजग रखना, रचनात्मक शक्ति को जागृत करना, सामूहिक रूप से एक साथ रहते हुए एकता के सूत्र में पिरोना, अच्छे आचरण और शिष्टाचार की शिक्षा देना आदि है।

मान्यता

विद्यार्थियों की सुप्त प्रतिभा को जागृत करने हेतु शिक्षा की सही सार्थकता के लिए शिशु–मनोविज्ञान एवं भारतीय परम्परा के शैक्षिक पहलुओं का सर्वोपरि ध्यान रखते हुए **हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी (मान्यता कोड नं. 05022)** द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के साथ 10+2 तक मान्यता प्राप्त है और **महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक** द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के साथ शास्त्री B.A. Sanskrit की मान्यता प्राप्त है। आप इस संस्था में शिक्षा की प्राचीन व अर्वाचीन (आधुनिक) प्रणाली की सभी अनुपम विशेषताओं का एक अद्भुत सामंजस्य पाएंगे।

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी

(हरियाणा सरकार की स्वायत्तशासी संस्था)
अकादमी भवन, पी-16, सेक्टर-14, पंचकूला-134113 (हरियाणा)
दूरभाष-0172-2570979
ई-मेल- hariprabhaskt@gmail.com
वेबसाइट www.haryanaakademi.ac.in

विद्ययाऽमृतमश्नुते

डॉ. चित्तरंजन दयाल सिंह कौशल
निदेशक, संस्कृत प्रकोष्ठ

क्रमांक : SKT/376/HSSA/2115
दिनांक : 04-11-2025

गीता सुगीता कर्त्तव्या

यह परम आनन्द का विषय है कि ऋषिकुलम् गुरुकुल विद्यापीठ, गुरुग्राम बड़ी निष्ठा से संस्कृत के प्रचार-प्रसार में संलग्न है। शिक्षा जगत में इसने अपनी विशेष पहचान बना ली है। व्यक्तित्व निर्माण से राष्ट्रनिर्माण के महान यज्ञ में आपकी आहुति निश्चयेन अभिनन्दनीय है। ऋषिकुलम् गुरुकुल विद्यापीठ के संस्थापक एवं संचालक डॉ. अमित कुमार को वेदोक्त अनन्त शुभकामनाएँ। भूयांसि आशीर्वचांसि।

युवा-पीढ़ी अपनी भारतीय संस्कृति के संस्कारों व सद्गुणों से हृदय से ओत-प्रोत रहे व दुर्लभ मानव जीवन को सफल कर यशस्वी बने। आधुनिक आर्ष पाठविधि से अध्ययन कर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा से सर्वत्र अग्रगण्य रह कर वैदिक सिद्धान्तों का सर्वत्र डिम-डिम घोष करने में सफल सिद्ध हों।

अन्त में, पुनश्च हृदय से बधाई स्वीकारें।

चरैवेति, चरैवेति, चरैवेति।

4.11.2025

डॉ. चित्तरंजन दयाल सिंह कौशल
निदेशक, संस्कृत प्रकोष्ठ

DEPARTMENT OF SANSKRIT, PALI & PRAKRIT
MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK
(A State University established under Haryana Act No. 25 of 1975)
(NAAC Accredited 'A+' Grade)

ओ३म्

"सत्याः सन्तु यजमानस्य कामाः"

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि 'ऋषिकुल गुरुकुल एवं महाविद्यालय, बसई, गुरुग्राम' ने स्वल्पकाल में ही संस्कृत जगत् में अपना विशेष स्थान बना लिया है। यह महाविद्यालय भारतीय शिक्षा प्रणाली, संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार तथा भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। आपकी संस्था ने गुरुकुल परम्परा को आधुनिक शिक्षा के साथ समन्वित कर जो अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह वास्तव में भारतीय पुनर्जागरण का प्रतीक है। मुझे यह देखकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि यहाँ के छोटे–छोटे बालक अत्यधिक प्रतिभाशाली हैं। वे अत्यन्त सुंदर रूप से वेद–मन्त्रों का उच्चारण, दैनिक यज्ञ, गीता–पाठ तथा पारम्परिक खेलों में निपुण हैं। इनका वैदिक एवं संस्कृत शिक्षण भाग वास्तव में उत्कृष्ट और अनुकरणीय है। मैं संस्थापक एवं आचार्य डॉ॰ अमित कुमार को अपना आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। आप एक दूरदर्शी शिक्षाविद् के रूप में दिन–रात्रि कार्य कर रहे हैं। यह तपस्या आज के समाज में भारतीय संस्कारों के पुनर्निर्माण की दिशा में अत्यंत आवश्यक है।

आपकी यह यात्रा निरंतर प्रगति करे, यही मेरी शुभकामनाएँ है।

सदैव आशीर्वाद सहित

डॉ॰ श्री भगवान
विभागाध्यक्ष
संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग
महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
दिनांक : 11.11.2025

ऋग्वेद यजुर्वेद

सामवेद अथर्ववेद

रमणीक वातावरण

यह संस्था हरियाणा प्रान्तान्तर्गत गुरुग्राम जिले के शहर में सैक्टर 37C, नजदीक रामा गार्डन, बसई इंक्लेव एक्सटेंसऩ में स्थित है। यह नगर के दूषित वातावरण से दूर प्रकृति के सुरमय सौम्यस्थली पर अवस्थित है।

सुकुमारमति बालक शहरों के प्रदूषित वातावरण से परे प्रकृति की नैसर्गिक एवं रमणीक गोद में रहकर अपने व्यक्तित्व के लिए सहज, स्वाभाविक रूप से प्रयत्नशील रहता है।

पुस्तकालय एवं वाचनालय

गुरुकुल में धार्मिक, वैदिक साहित्य एवं अन्य विभिन्न विषयों से युक्त एक पुस्तकालय तथा वाचनालय है। इसमें अनेक दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक एवं त्रैमासिक पत्र–पत्रिकाएं उपलब्ध हैं। जिनसे विद्यार्थी अवकाश के समय पर लाभ उठाते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास व प्रतिभा को विकसित करना है।

अतिरिक्त शिक्षण

शिक्षा की दृष्टि से मेधावी व कमजोर छात्रों के शिक्षण की अतिरिक्त समय में समुचित व्यवस्था का प्रावधान है।

वातानुकुलित वाचनालय

विपरित मौसम में भी छात्रों को अपना पाठ तैयार करने में असुविधा न हो एतदर्थ गुरुकुल के वाचनालय में छात्रों के गृहकार्य (होमवर्कस) करने के समय वहां नियुक्त वातानुकुलित यन्त्रों को संचालित कर दिया जाता है जिसका लाभ उठाकर छात्र इच्छानुसार लम्बे समय तक वाचनालय में अपना पाठ सुविधापूर्वक तैयार कर सकते हैं।

आधुनिक कक्षा कक्ष

स्वच्छ वातावरण के साथ स्मार्ट बोर्ड व स्मार्ट एलईडी कक्षा कक्ष।

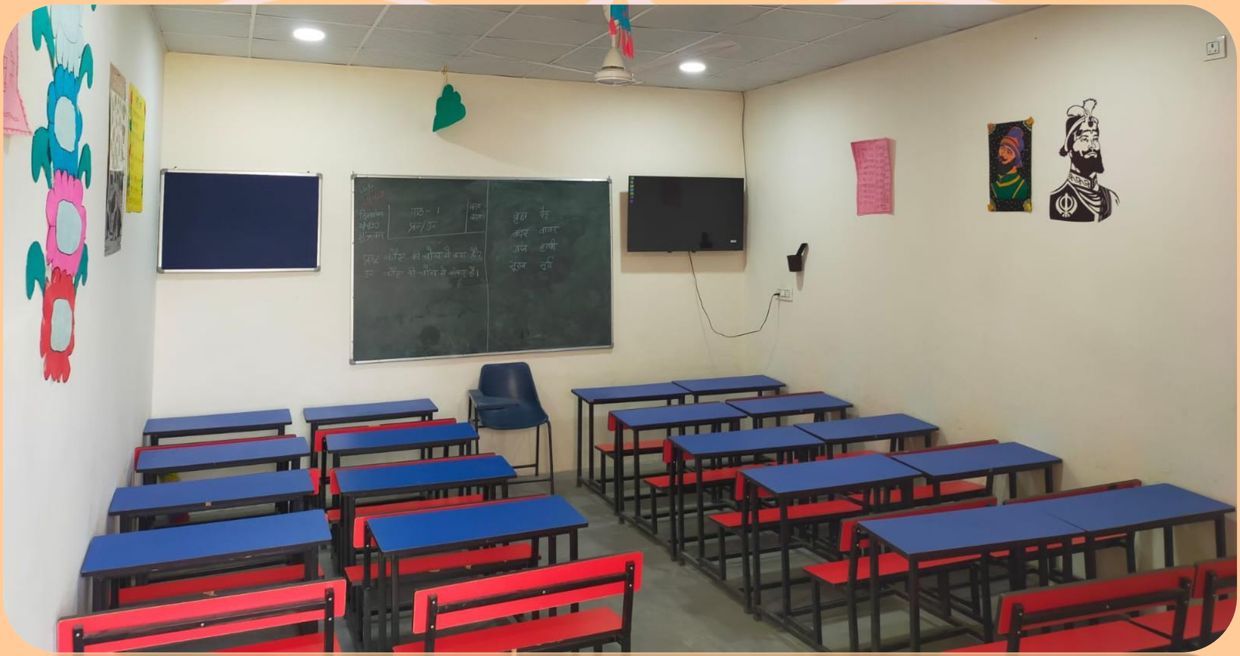

संगणक कार्यशाला (कम्प्यूटर लैब)

शिक्षा की दृष्टि से गुरुकुल में सुव्यवस्थित कम्प्यूटर लैब है।

शैक्षिक यात्राएँ

हमारी शिक्षा, संस्कृति व जीवन दर्शन में धार्मिक, ऐतिहासिक व प्राकृतिक स्थानों की यात्राओं का विशेष महत्त्व रहा है। इससे विद्यार्थियों के मनोरंजन के साथ–साथ सामान्य ज्ञान में भी अभिवृद्धि होती है। अतः शैक्षिक तथा मैदानी भागों का भ्रमण कराया जाता है।

संगीत प्रशिक्षण

भारतीय शास्त्रीय गायन व वादन संगीत का प्रशिक्षण योग्य प्रशिक्षक के निर्देशन में दिया जाता है। साथ ही महर्षि दयानन्द व प्राच्य ऋषियों द्वारा प्रतिपादित वैदिक धर्म के प्रचार–प्रसार हेतु उत्साहित छात्रों को उपदेशक के रूप में भी प्रशिक्षित किया जाता है।

छात्र सभा एवं भाषण गायन प्रतियोगिता

बौद्धिक चेतना के दृष्टिगत **छात्र सभा** के माध्यम से हम छात्रों में भाषण, संगीत, नाटक, कविता व अन्य ललित कलाओं के विकास हेतु सतत् प्रयत्नरत् हैं एवं हमारे छात्र बाहरी प्रतियोगिताओं में भी भाग लेते हैं तथा उच्च स्थान प्राप्त करते हैं।

खेलकूद सुविधाएँ

नायमात्मा बलहीनेन लभ्यः मुण्डकोपनिषद् के इस प्रेरक सन्देश को हमने शारीरिक विकास के दृष्टिकोण को अपना ध्येय मानकर मल्लखम्भ, योग, कब्बड्डी, कुश्ती, फुटबॉल, वॉलीवॉल, दौड़, कूद एवं अन्य खेल भी विद्यार्थियों की दिनचर्या का एक अविभाज्य अंग बनाया हुआ है। हमारा गुरुकुल कुछ ऐसी विरली संस्थाओं में से एक है जहाँ शतप्रतिशत छात्र व शिक्षक इकट्ठे मिलकर प्रतिदिन नियमित रूप से खेलकूद में भाग लेते हैं। वर्तमान में अधिकांश विद्यालयों की भांति इन्हें चौबीसों घण्टे बस्ते के भारी भरकम बोझ तले दबाये नहीं रखते।

ऋग्वेद

यजुर्वेद

सामवेद

अथर्ववेद

ऋग्वेद

यजुर्वेद

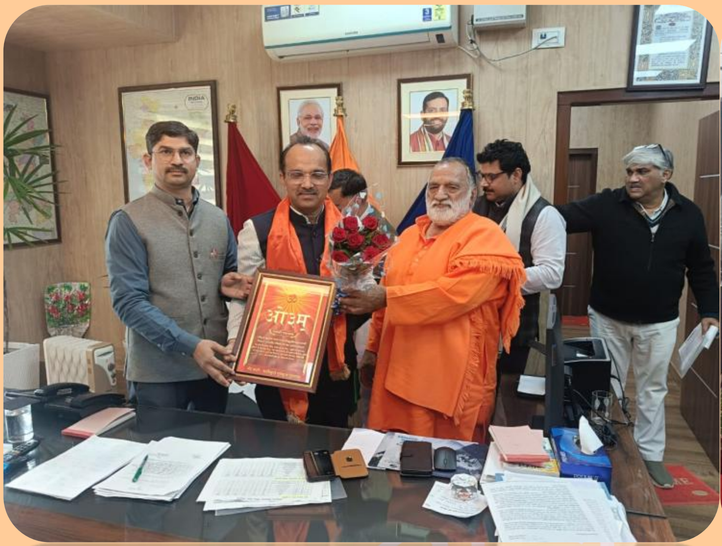

सामवेद

अथर्ववेद

अन्तर्सदन प्रतिभा प्रदर्शन प्रतियोगिताएँ

बौद्धिक एवं शारीरिक विकास हेतु सदनों के माध्यम से छात्रों में भाषण, संगीत, नाटक, कविता, अन्त्याक्षरी व अन्य ललित कलाओं के विकास हेतु हम सतत प्रयासरत हैं। विद्यार्थियों को चित्रकला का भी व्यावहारिक ज्ञान कराया जाता है। इनके अतिरिक्त विभिन्न विषयों पर आधारित मासिक प्रश्न मंच प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है।

अन्य विद्या

यज्ञ (हवन) :– पंचमहायज्ञ, सोलह संस्कार आदि।
योग :– त्राटक, नेति, धोती, वस्ति, नौली।
चिकित्सा :– यौगिक, प्राकृतिक, आयुर्वेदिक आदि।
विशेष :– शारीरिक सौष्ठव्य हेतु सर्वांगसुन्दर व्यायाम, दण्ड–बैठक, सूर्य–भूमि नमस्कार, लाठी, भाला, तलवार, कराटे आदि।

अभिभावक-अध्यापक मन्त्रणा

छात्रों के अभिभावकों तथा संस्था के अधिकारी और अध्यापकों की गोष्ठी (पेरेन्ट्स मीटिंग) गुरुकुल व्यवस्थानुसार रहेगी।

ऋग्वेद

यजुर्वेद

सामवेद

अथर्ववेद

धार्मिक अनुष्ठान

नोट :– गुरुकुल में यज्ञमान बनकर आप भी यज्ञ करा सकते हैं, साथ ही अपने घर पर यज्ञ (हवन), गृह प्रवेश, नामकरण, यज्ञोपवीत, वेदारम्भ, विवाह संस्कार आदि सोलह संस्कार करा सकते हैं।

यज्ञोपवीत एवं वेदारम्भ संस्कार

श्रावणी पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरुकुल के विद्यार्थियों को यज्ञोपवीत धारण करा वेदारम्भ संस्कार किया गया।

वाहन सुविधा

दूरी अनुसार मासिक शुल्क

दैनिक नियमित दिनचर्या

अग्निहोत्र / वैदिक शिक्षा	07:15 से 08:30
प्रथम कक्षा	08:30 से 09:10
द्वितीय कक्षा	09:10 से 09:50
फलाहार	09:50 से 10:00
तृतीय कक्षा	10:00 से 10:40
चतुर्थ कक्षा	10:40 से 11:20
पंचम कक्षा	11:20 से 12:00
मध्यान भोजन	12:00 से 12:20
षष्ठ कक्षा	12:20 से 12:55
सप्तम कक्षा	12:55 से 01:30
विश्राम	01:30 से 01:40
प्रथम घंटी स्वाध्याय	01:40 से 03:00
द्वितीय घंटी स्वाध्याय	03:00 से 04:00
अग्निहोत्र / **सर्वांगसुन्दर व्यायाम आदि**	04:00 से 05:00
अवकाश	05:00

प्रवेश कक्षा

कक्षा :– नर्सरी से नौवीं, ग्यारहवीं(Humanities & Commerce) B.A.शास्त्री, M.A.आचार्य, ज्योतिष शास्त्र, वास्तु शास्त्र, कर्मकाण्ड, योग डिप्लोमा आदि।

प्रवेश परीक्षा एवं प्रक्रिया

नर्सरी से नौवीं व ग्यारहवीं का प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। इसके लिये विद्यार्थी का पूर्व पंजीकरण अनिवार्य है।

विशेष :–

B.A. शास्त्री में प्रवेश कक्षा बाहरवीं के बोर्ड परिणाम घोषित होने के उपरान्त बोर्ड परीक्षा के प्राप्त अंकों के आधार पर केवल रिक्त स्थानों पर ही प्रवेश हो सकेगा।

आवश्यक निर्देश :–

1. प्रवेशार्थी अपनी जन्मतिथि का प्रमाण–पत्र तथा पिछली कक्षा का अंक पत्र आदि सभी, यदि प्रवेश के समय प्रस्तुत नहीं किया गया हो तो प्रवेश के 10 दिन तक अवश्य दे दें।
2. उक्त किसी भी निर्देश की पालना न करने वाले छात्र का प्रवेश निरस्त कर प्रतीक्षा सूची से अन्य विद्यार्थी को प्रवेश कर दिया जायेगा।

ध्यान रखें :–

प्रवेशार्थी का पूर्ण स्वस्थ होना नितान्त आवश्यक है। कोई संक्रामक रोग पाये जाने पर छात्र का नाम काटा जा सकता है।

आवश्यक निर्देश

1. विद्यार्थी पंजीकरण हेतु शुल्क न्यूनतम 1100/– रहेगा।
2. प्रवेश परीक्षा के परिणाम पश्चात् यदि विद्यार्थी का नाम सूची में है तो दस दिन के अन्तराल में विद्यार्थी के प्रमाण–पत्र व वार्षिक शुल्क एवं त्रयमासिक शुल्क जमा करना अनिवार्य है।
3. निर्धारित तिथि के उपरान्त यदि कोई प्रवेश पाता है तो प्रवेश शुल्क 5000/– जमा कराना अनिवार्य है।
4. वाहन शुल्क त्रयमासिक जमा कराना अनिवार्य होगा। अथवा प्रत्येक माह की तिथि 5 तक जमा कराना अनिवार्य है। तदोपरान्त 50/– प्रतिदिन अतिरिक्त शुल्क देय होगा।
5. विद्यार्थियों की सुविधा के लिए गुरुकुल में ही वस्तु भण्डार स्थापित है। जहाँ उचित मूल्य पर आयुर्वेदिक उत्पाद एवं यज्ञ आदि की आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध हैं।
6. पुस्तक व वस्त्र आदि वस्तु भण्डार (स्टोर) से खरीदे जाने वाले सामान हेतु निर्धारित राशि जमा करानी होगी। यह धन कार्यालय समय प्रातः 9 बजे से सायं 3 बजे तक ही जमा हो सकेगा।
7. मासिक शुल्क की नकद राशि किसी भी गुरुकुल के कर्मचारी को न देकर कार्यालय में ही जमा करायें। यदि कोई अभिभावक किसी को नकद राशि देगा तो वह स्वयं इसके लिए जिम्मेदार होगा।
8. छात्रों की देखरेख की अति उत्तम व्यवस्था में उन्हें घर जैसा आत्मीयतापूर्ण वातावरण दिया जाता है एवं सुरक्षा का पूर्ण प्रयास रहता है पुनरपि यदि छात्र गुरुकुल से बिना पूछे चला जाता है तो संस्था अपने सामर्थ्यानुसार प्रयास करेगी व आपको सूचना देगी। इसके अतिरिक्त संस्था की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
9. गुरुकुल में कोई भी ब्रह्मचारी (विद्यार्थी) यदि अपने पास कोई धनराशि, मूल्यवान वस्तु, रेडियो, मोबाइल, अथवा प्राचार्य, मुख्य संरक्षक द्वारा निषिद्ध पदार्थ (पास्ता, पिज्जा, बर्गर, ब्रेड, सॉस, सैंडविच, समोसे, टॉफी, बिस्किट, नमकीन, चॉकलेट आदि स्वास्थ्य विरोधक खाद्य पदार्थों का निषेध) रखेगा तो उसे जब्त कर लिया जाएगा और गुरुकुल व्यवस्था में कोई भी विद्यार्थी व व्यक्ति अभद्र भाषा का प्रयोग करेगा तो 1000/– रुपये आर्थिक दण्ड होगा। दोबारा मिलने पर छात्र को निष्कासित कर दिया जाएगा।
10. प्रविष्ट हुआ विद्यार्थी यदि किसी कारण तुरन्त या सत्र के मध्य में संस्था से नाम निरस्त होता है तो, उसका प्रवेश तथा जमा त्रयमासिक शुल्क वापिस नहीं लौटाया जाएगा।
11. सभी प्रकार का शुल्क तथा खर्च मास की 5 तिथि तक जमा होना आवश्यक है। तत्पश्चात् 50 रुपये दैनिक हिसाब से विलम्ब शुल्क देय होगा। साथ ही 10 तिथि के पश्चात् विद्यार्थी को कक्षा में सम्मिलित नहीं किया जाएगा। यदि वाहन की सुविधा उपलब्ध है तो वह भी स्थगित कर दी जाएगी।
12. बिना पूर्व अनुमति अनुपस्थित रहने पर या आकस्मिक अवकाश से लेट होने पर विद्यार्थी को प्रथम दिन 200 व रोजाना 100 रुपये के हिसाब से दण्ड शुल्क देना होगा। माह में दस दिनों की अनुपस्थिति पर विद्यार्थी का नाम काट दिया जाएगा।
13. विलम्ब, दण्ड तथा उपेक्षा शुल्क में किसी प्रकार की रियायत या छूट किन्हीं विशेष परिस्थितियों में आचार्य/प्राचार्य द्वारा ही दी जा सकती है।

त्रयमासिक तथा षट्मासिक खर्च जमा कराने की तिथियाँ

प्रथम बार प्रवेश के समय जमा करवाएँ समस्त शुल्क व अप्रैल से जून तक का त्रयमासिक शुल्क।

द्वितीय बार एक से दस जुलाई तक जमा करवाएँ जुलाई से सितम्बर तक का त्रयमासिक शुल्क।

तृतीय बार एक से दस अक्टूबर तक जमा करवाएँ अक्टूबर से दिसम्बर तक का त्रयमासिक शुल्क।

चतुर्थ बार एक से दस जनवरी तक जमा करवाएँ जनवरी से मार्च तक का त्रयमासिक शुल्क।

नोट :– यदि किसी विषम परिस्थितिवश कोई अभिभावक इन नियत तिथियों में अपने बच्चे की शुल्क राशि न दे सके तो उनको एतदर्थ अपना आवेदन दस दिन पूर्व प्राचार्य जी को दे देना चाहिए। ऐसा आवेदन पत्र प्राप्त होने पर यदि प्राचार्य महोदय उचित समझेंगे तो निर्धारित मास की 20 तिथि तक विलम्ब शुल्क से छूट दे सकते हैं पश्चात् शुल्क बारे पूर्वोक्त नियम लागू होगा।

प्रवेश के समय छात्रों की ओर से देय कुल खर्च

कक्षा	पंजीकरण शुल्क	ERP/परीक्षा शुल्क	प्रवेश शुल्क	सुरक्षा शुल्क	त्रयमासिक शुल्क	मासिक शुल्क	वार्षिक शुल्क
शिशु Pri. Nur.	1100	1000	5100	3000	5400	1800	6000
तरुण Nursery	1100	1000	5100	3000	5700	1900	6000
अरुण LKG	1100	1000	5100	3000	5700	1900	6000
उदय UKG	1100	1000	5100	3000	5700	1900	6000
प्रथमा 1st	1100	1000	5100	5000	7500	2500	9000
द्वितीया 2nd	1100	1000	5100	5000	7500	2500	9000
तृतीया 3rd	1100	1000	5100	5000	7500	2500	9000
चतुर्थ 4th	1100	1000	5100	5000	7500	2500	9000
पंचम 5th	1100	1000	5100	5000	7500	2500	9000
षष्ठम 6th	1100	1000	8000	5000	8400	2800	9500
सप्तम 7th	1100	1000	8000	5000	8400	2800	9500
अष्ठम 8th	1100	1000	10000	5000	9000	3000	9500
नवम 9th	1100	1000	10000	5000	9600	3200	10000
दशम 10th	1100	1000	10000	5000	10500	3500	12000
एकादश 11th	1100	1000	10000	5000	10500	3500	12000
द्वादश 12th	1100	1000	10000	5000	12000	4000	12000

नोट :– पूर्ण दिवसीय विद्यार्थी का प्रवेश शुल्क माफ रहेगा।

गुरुकुल की तरफ से मुफ्त पुस्तक और गणवेश (ड्रेस) के लिये लक्की ड्रा में हिस्सा ले सकेंगे।

प्रवेश के समय छात्रों की ओर से देय कुल खर्च

कक्षा	पंजीकरण शुल्क	ERP/परीक्षा शुल्क	प्रवेश शुल्क	सुरक्षा शुल्क	त्रयमासिक शुल्क	मासिक शुल्क	वार्षिक शुल्क
शिशु Pri. Nur.	1100	1000	5100	3000	18000	6000	6000
तरुण Nursery	1100	1000	5100	3000	18000	6000	6000
अरुण LKG	1100	1000	5100	3000	18000	6000	6000
उदय UKG	1100	1000	5100	3000	18000	6000	6000
प्रथमा 1st	1100	1000	5100	5000	12000	4000	9000
द्वितीया 2nd	1100	1000	5100	5000	12000	4000	9000
तृतीया 3rd	1100	1000	5100	5000	12000	4000	9000
चतुर्थ 4th	1100	1000	5100	5000	12000	4000	9000
पंचम 5th	1100	1000	5100	5000	12000	4000	9000
षष्ठम 6th	1100	1000	8000	5000	15000	5000	9500
सप्तम 7th	1100	1000	8000	5000	15000	5000	9500
अष्ठम 8th	1100	1000	10000	5000	15000	5000	9500
नवम 9th	1100	1000	10000	5000	18000	6000	10000
दशम 10th	1100	1000	10000	5000	18000	6000	12000
एकादश 11th	1100	1000	10000	5000	18000	6000	12000
द्वादश 12th	1100	1000	10000	5000	18000	6000	12000

यात्रा शुल्क विवरण

Upto 3KM	1200
3.1 KM to 5KM	1700
5.1KM to 7KM	2200
7.1KM to 10KM	2800
10.1 KM to 15KM	3500
15.1KM to 20KM	4200

नोट :– पुस्तक, कपड़े आदि से त्रयमासिक शुल्क अलग से होगा।
गर्मियों और शर्दियों के लिए ड्रेस शुल्क अतिरिक्त देय होंगे।
वार्षिक परीक्षा फार्म शुल्क अलग से होगा।

विद्यार्थी का निष्कासन

क) गुरुकुलीय शिक्षा अवधि के दौरान सगाई/विवाह करने पर।

ख) किसी भी प्रकार की उद्दण्डता, अनुशासनहीनता, अशोभनीय आचरण या अभिभावक द्वारा अपने शपथ–पत्र में कहीं भी घोषणा का उल्लंघन करने पर सम्बन्धित विद्यार्थी को गुरुकुल से निष्कासित कर दिया जाएगा।

विशेष निर्देश :–

1. असाध्य या संक्रामक रोग ग्रस्त विद्यार्थी को उसके अभिभावक द्वारा अपने खर्चे पर निजी देख–रेख एवं विशेष उपचार हेतु घर ले जाना होगा। उपचार के दिनों का मेडिकल प्रमाण–पत्र मान्य होगा, शेष दिनों का विलम्ब शुल्क देय होगा।
2. विद्यार्थी को केवल असाधारण रूग्णता में ही घर जाने की अनुमति दी जा सकेगी।

वार्षिक उत्सव

गुरुकुलीय व्यवस्थानुसार।

अवकाश सम्बन्धी विवरण

1. विद्यार्थी को अवकाश केवल विशेष प्रयोजन पर ही रहेगा।
2. किसी भी विद्यार्थी की फोन पर छुट्टी बिल्कुल स्वीकृत नहीं होगी। अभिभावक स्वयं आकर प्रार्थना पत्र देकर ही विद्यार्थी को ले जा सकते हैं।

याद रखिए :–

अवकाश की समाप्ति पर प्राचार्य की पूर्वानुमति बिना अनुपस्थित छात्रों के अभिभावकों को पहले दिन 500 रुपये तत्पश्चात् दस दिन तक 100 रुपये रोजाना उपेक्षा शुल्क देना होना। तत्पश्चात् नाम काट दिया जाएगा।

संस्था में आपकी अनिवार्य उपस्थिति

प्रतिवर्ष मनाये जाने वाले गुरुकुल के वार्षिक उत्सव में आप सभी अभिभावकों का उत्सव में उपस्थित होना आवश्यक है।

Website:- www.rishikulamgurugram.in
Email:- rishikulamgurugram@gmail.com
सम्पर्क सूत्र - 9466785422, 9540084743
बसई इंक्लेव एक्सटेसंन, सैक्टर 37C, नजदीक रामा गार्डन, गुरुग्राम हरियाणा 122001